राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 222 | जौनपुर | बुधवार, 02 अप्रैल 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

बेकाबू कार पेड़ से टकराई, चालक गंभीर

बस्ती, (संवाददाता)। कस्बे से सटे गोंडा जिले के छपिया थाना क्षेत्र के सोहिला मार्ग पर रविवार रात बेकाबू कार पेड़ से टकरा गई। हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक रानीजोत मजरा मौरही निवासी 19 वर्षीय राजकुमार अपनी कार से कटरा से लौट रहे थे। रात करीब 10 बजे सोहिला गांव के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के परखचे उड़ गए और खेत में जा गिरी। राजकुमार कार में फंस गए। स्थानीय लोगों ने परिजनों को सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे और कटर मशीन की मदद से कार को काटकर राजकुमार को बाहर निकाला। घायल राजकुमार को पहले सीएचसी छपिया ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद परिजन बस्ती के एक निजी अस्पताल ले गए।

प्रधानमंत्री पद की दावेदारी पर सीएम योगी ने दिया बड़ा बयान

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मैं दिल से एक योगी हूं और राजनीति मेरा पूर्णकालिक व्यवसाय नहीं है। मैं मुख्यमंत्री पद पर उत्तर प्रदेश की जनता की सेवा करने के लिए हूं और मैं हमेशा के लिए राजनीति में नहीं आया हूं। मेरी पार्टी भाजपा ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है उसे मैं निभा रहा हूं। पीटीआई को दिए गए साक्षात्कार में उन्होंने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को लेकर खंडन किया। उन्होंने कहा कि मैं कब तक राजनीति में रहूंगा इसकी समय सीमा है। मैं हमेशा के लिए राजनीति में नहीं हूं। बता दें कि इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी को लेकर चर्चाएं काफी तेज हैं और योगी को उनके समर्थकों के द्वारा प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है। ये चर्चाएं प्रधानमंत्री मोदी के 30 मार्च को संघ मुख्यालय जाने के बाद और तेज हो गई हैं। सोशल मीडिया पर हो रही चर्चाओं में सीएम योगी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है। इस पर शिवसेना के नेता संजय राउत ने भी बयान दिया है। उन्होंने कहा कि देश का अगला प्रधानमंत्री महाराष्ट्र से होगा जिस पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मोदी जी ही देश का नेतृत्व करेंगे। हमारी संस्कृति में जब तक पिता जीवित होता है उत्तराधिकारी की बात नहीं की जाती है। राजनीति और धर्म का मिलन गलत नहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजनीति में धर्म का मिलन गलत नहीं है। ये हमारी गलती है कि हम धर्म को कुछ स्थानों के लिए सीमित कर देते हैं और राजनीति को कुछ लोगों के लिए छोड़ देते हैं। इससे समस्याएं उत्पन्न होती हैं। राजनीति का उद्देश्य स्वार्थों की पूर्ति करना नहीं है बल्कि समाज की भलाई करना है। इसी तरह धर्म का उद्देश्य भी परमार्थ होता है। जब धर्म का प्रयोग स्वार्थ की पूर्ति के लिए होता है तो मुश्किल आती है लेकिन परमार्थ का उद्देश्य होने पर धर्म प्रगति के मार्ग खोलता है।

प्रयागराज में मकान ढहाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार और प्रयागराज विकास प्राधिकरण की खिंचाई की। कोर्ट ने शहर में मकान ढहाने को अमानवीय और अवैध बताया। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई अमानवीय तरीके से की गई। कोर्ट ने यह भी कहा कि देश में कानून का शासन है और नागरिकों के आवासीय ढांचों को इस तरह से नहीं ढहाया जा सकता।

पीठ ने कहा, श्इसने हमारी अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया है। आश्रय का अधिकार, कानून की उचित प्रक्रिया जैसी कोई चीज होती है। इसके बाद शीर्ष अदालत ने प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह छह हफ्ते के अंदर मकान मालिकों को 10–10 लाख रुपये का मुआवजा दे। इससे पहले शीर्ष कोर्ट ने प्रयागराज में उचित कानूनी प्रक्रिया

का पालन किए बिना ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार की खिंचाई की थी और कहा था कि इससे चौंकाने वाला और गलत संकेत गया है। याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा था कि राज्य सरकार ने गलत तरीके से मकानों को ध्वस्त कर दिया, क्योंकि उन्हें लगा कि यह जमीन गैंगस्टर–राजनेता अतीक अहमद की है। वह 2023 में मारा गया था। शीर्ष अदालत वकील जुल्फिकार हैदर, प्रोफेसर अली अहमद और अन्य लोगों की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिनके मकान ध्वस्त कर दिए गए थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ध्वस्तीकरण को चुनौती देने वाली उनकी याचिका को खारिज कर दिया था। याचिकाकर्ताओं को कथित तौर पर प्रयागराज जिले के लूकरगंज में कुछ निर्माणों के संबंध में 6 मार्च, 2021 को नोटिस दिया गया था।

संक्षिप्त समाचार

गुजरात के बनासकांठा में पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 13 लोगों की जलकर हुई दर्दनाक मौत

गुजरात, (एजेंसी)। बनासकांठा जिले के एक औद्योगिक क्षेत्र में मंगलवार को एक पटाखा फैक्ट्री में भयंकर विस्फोट हुआ। इस विस्फोट में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। बनासकांठा कलेक्टर मिहिर पटेल ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए कहा कि अब तक फैक्ट्री के मलबे से 13 शव निकाले जा चुके हैं। पूरा आरसीसी स्लैब ढह गया था। राहत दल मलबा हटा रहा है। इस घटना में घायल हुए चार लोगों की हालत स्थिर है। पुलिस जांच जारी है, आगे की जांच के लिए एफएसएल टीम बुलाई गई है। पटेल के अनुसार, विस्फोट उस समय हुआ जब फैक्ट्री में पटाखे बनाए जा रहे थे। उन्होंने बताया कि परिसर में श्रमिकों के परिवार के सदस्य भी रहते थे और वे भी मलबे में दब गए। उप मंडल मजिस्ट्रेट नेहा पंचाल ने बताया कि विस्फोट के कारण इमारत में आग लग गई और इमारत का एक हिस्सा ढह गया, जिससे कई लोग फंस गए। बनासकांठा के पुलिस अधीक्षक अक्षयराज मकवाना ने बताया कि मलबे में फंसे लोगों को बचाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में मदद के लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की एक टीम भी मौके पर मौजूद थी। वहीं, पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के सुंदरबन के सुदूर पथरप्रतिमा इलाके में सोमवार रात एक घर–सह–फैक्ट्री के अंदर संग्रहीत पटाखों में विस्फोट होने से एक परिवार के बच्चों सहित कम से कम आठ सदस्यों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने मीडिया को बताया कि विस्फोट चंद्रकांत बानिक के घर–सह–फैक्ट्री के अंदर हुआ। परिवार के कम से कम तीन और सदस्य घायल हो गए, जिन्हें डायमंड हार्बर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया गया। पथर प्रतिमा से सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के विधायक समीर कुमार जना ने कहा कि यह एक लाइसेंस प्राप्त फैक्ट्री थी।

अखिलेश का धामी सरकार पर तंज उत्तराखंड का नाम भी यूपी–2 कर दीजिए

उत्तराखंड, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बीते सोमवार को राज्य में 15 जगहों के नाम बदलने की घोषणा की है। उनके इस फैसले पर अब समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया सामने आई हैं। उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत के दौरान तंज कसते हुए कहा कि उत्तराखंड का नाम भी उत्तर प्रदेश–2 कर दीजिए। भगवानपुर

ब्लॉक के औरंगजेबपुर का नाम बदलकर शिवाजी नगर, बहादराबाद ब्लॉक के गाजीवाली का नाम आर्य नगर, चांदपुर का नाम ज्योतिबाफुले नगर, नारसन ब्लॉक के मोहम्मदपुर जट का नाम मोहनपुर जट, खानपुर कुर्सली का नाम आंबेडकर नगर, खानपुर ब्लॉक के इदरीशपुर का नाम नंदपुर, खानपुर का नाम कृष्णपुर और अकबरपुर फाजलपुर का नाम विजयनगर किया गया है। देहरादून नगर निगम के मियांवाला का नाम रामजीवाला, विकासनगर ब्लॉक का पीरवाला का नाम केसरी नगर, चांदपुर खुर्द का नाम पृथ्वीराज नगर, सहसपुर ब्लॉक के अब्दुल्लापुर का नाम दक्षनगर किया गया है। नवाबी रोड का नाम अटल मार्ग किया गया है। पनचक्की से आईटीआई मार्ग का नाम गुरु गोवलकर मार्ग हुआ है।

हिमंत ने मोहम्मद यूनुस को सुनाई खरीखोटी चिकन नेक को लेकर मोदी सरकार को दिया अहम सुझाव

गुवाहाटी, (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने अंतरिम बांग्लादेश सरकार के बेतुके बयान पर मंगलवार को जमकर पलटवार किया। मोहम्मद यूनुस ने ढाका को क्षेत्र में समुद्र का एकमात्र संरक्षक कहा था। इस बयान को सीएम सरमा ने अपमानजनक और कड़ी निंदा योग्य बताया। दरअसल, बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने बीजिंग से मुल्क में अपना आर्थिक प्रभाव बढ़ाने की अपील की थी। इस दौरान उन्होंने जिक्र किया था कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों का भूमि से घिरा होना एक अवसर साबित हो सकता है। यूनुस की हाल ही में चीन की चार दिवसीय यात्रा के दौरान की गई यह टिप्पणी सोमवार को सोशल मीडिया पर सामने आई। पर पोस्ट किया, श्बांग्लादेश के मोहम्मद यूनुस का बयान निंदनीय है। तथाकथित अंतरिम सरकार की ओर से अपने बयान में उन्होंने पूर्वोत्तर भारत के सात राज्यों (सेवन सिस्टर्स) को जमीन से घिरा हुआ बताया और बांग्लादेश को उनके महासागर तक पहुंच के संरक्षक के रूप में पेश किया है। यह अपमानजनक और कड़ी निंदा के योग्य है। उन्होंने कहा, श्मोहम्मद यूनुस के ऐसे भड़काऊ बयानों को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। वे गहन रणनीतिक विचारों और दीर्घकालिक एजेंडे को लेकर चलने वाले हैं।श सरमा ने कहा कि यह टिप्पणी भारत के रणनीतिक श्चिकन नेकश गलियारे की हलचल को दिखाती है। ऐतिहासिक रूप से भारत में आंतरिक तत्वों ने भी पूर्वोत्तर को अलग करने के लिए इस महत्वपूर्ण मार्ग को काटने का खतरनाक सुझाव दिया है। इसलिए चिकन नेक गलियारे के नीचे और उसके आसपास और अधिक मजबूत रेलवे और सड़क नेटवर्क विकसित करना जरूरी है।

सीएम सरमा ने पूर्वोत्तर को शेष भारत से जोड़ने वाले वैकल्पिक सड़क मार्गों की तलाश और विकास को प्राथमिकता देने का भी आह्वान किया। अब श्चिकन नेकश पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इससे महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग चुनौतियां उत्पन्न हो सकती हैं, लेकिन इसे दृढ़ संकल्प और नवाचार से हासिल किया जा सकता है। दरअसल, बांग्लादेश की राजनीतिक उथल–पुथल के बीच यहां की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने ऐसी टिप्पणी की थी, जिससे बांग्लादेश का असली चेहरा बेनकाब हो गया था। चीन की चार दिवसीय यात्रा पर गए यूनुस ने एक कार्यक्रम में पूर्वोत्तर भारतीय राज्यों का जिक्र करते हुए कहा था कि भारत के सात राज्य अभी भी भूमि से घिरे हुए हैं। उन्होंने इस इलाके में चीन को अपनी आर्थिक स्थिति का विस्तार करने के लिए आमंत्रित किया था। फेसबुक वीडियो में यूनुस ने कहा, श्भारत के सात राज्य, जिन्हें सेवन सिस्टर्स कहा जाता है, भूमि से घिरे (स्ंदकसवबामक) हुए हैं। उनके पास समुद्र तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है। हम इस क्षेत्र में समुद्र के एकमात्र संरक्षक हैं। इस कारण संभावनाओं के असीमित दरवाजे खुलते हैं।श यूनुस ने शुक्रवार को बीजिंग के एक होटल में टिकाऊ बुनियादी ढांचे और ऊर्जा से मुद्दों पर आयोजित उच्च स्तरीय राउंडटेबल मंथन के दौरान यह टिप्पणी की। बकौल यूनुस देश रणनीतिक रूप से भूमि से घिरा हुआ है। नेपाल, भूटान और भारत के सात राज्यों की सीमाएं बांग्लादेश से लगने के कारण यह पूर्वोत्तर भारत के सात राज्यों का प्रवेश द्वार भी है। मुख्य सलाहकार प्रोफेसर यूनुस ने बांग्लादेशी युवाओं की क्षमता को भी रेखांकित किया। उन्होंने फेसबुक पर एक अन्य विस्तृत पोस्ट में ये भी लिखा कि चीन अपनी फैक्टरी बांग्लादेश में स्थानांतरित करे। इस क्षेत्र में चीनी अर्थव्यवस्था का विस्तार हो सकता है।

पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 द्वारा पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में पिंक बूथों, पुलिस चौकी, वीडियों–वॉल एवं बहुउद्देश्यीय भवन का किया गया लोकार्पण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रशान्त कुमार पुलिस महानिदेशक उ०प्र० द्वारा पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करते हुए दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य बिन्दु 1– नवाचार एवं सुरक्षा को बढ़ावा देना 2–महिलाओं की सुरक्षा के लिए पिंक बूथों का लोकार्पण 3–अपराध नियन्त्रण में वीडियों–वॉल का अहम कदम 4–आधुनिक भवनों का लोकार्पण रहे। कार्यक्रम के प्रारम्भ करते हुए पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर द्वारा अपने प्रस्तुतिकरण में नोएडा के उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया, जिसमें तकनीकी नवाचार, अपराधों पर नियन्त्रण, गैंगेस्टर माफिया के विरूद्ध की गई कार्यवाही का उल्लेख किया गया। इसके पश्चात सांसद, गौतमबुद्धनगर, विधायक दादरी और जेवर द्वारा अपने उद्बोधन में पुलिस में हो रहे नवाचार और सुरक्षा के क्षेत्र में उठाए जा रहे प्रभावी कदमों की प्रशंसा करते हुए कहा कि पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में आधुनिक तकनीक और स्मार्ट पुलिसिंग से अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक उ०प्र० द्वारा महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण व नवाचार की दिशा में लोक सहयोग से नवनिर्मित पिंक बूथों, पुलिस चौकी, वीडियों–वॉल एवं बहुउददेशीय भवन का लोकार्पण किया गया। पुलिस महानिदेशक उ०प्र० द्वारा कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर में महिलाओं की सुरक्षा हेतु

समर्पित लोक सहयोग से नवनिर्मित 11 पिंक बूथों का लोकार्पण किया गया जिसके संबंध में पुलिस महानिदेशक उ०प्र० द्वारा बताया गया कि नोएडा एक हाईटेक सिटी है, जहां महिलाएं देर रात तक कार्यरत रहती हैं। ऐसे में पिंक बूथ उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। महिलाएं बिना संकोच पिंक बूथ पर जाकर शिकायत दर्ज करा सकती हैं और तत्काल पुलिस सहायता प्राप्त कर सकती हैं। साथ ही कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर में अपराधों पर त्वरित नियंत्रण व संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी व समन्वित पुलिस कार्रवाई, डेटा व सूचना का तत्काल प्रसार व स्मार्ट पुलिसिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यामाहा ग्रुप के सहयोग से 26 थानों में वीडियों वॉल व्यवस्था नवनिर्मित अत्याधुनिक भवन का लोकार्पण किया गया। पुलिस महानिदेशक उ०प्र० द्वारा संबोधन में कहा गया किः यह अवसर महज पुलिस पदतिंजतनबजनतम के लोकार्पण का नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश में बदलते सुरक्षा दृष्टिकोण और कम्यूनिटी पुलिसिंग के नये युग की झलक है। हम सब गौरवान्वित हैं कि मा० प्रधानमंत्री के परिकल्पित स्मार्ट पुलिस के विजन को मुख्यमंत्री के यशस्वी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पुलिस साकार करने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और गतिशील राज्य में कमिश्नरेट प्रणाली की स्थापना लंबे समय से लंबित थी, लेकिन यह सुधार स्वतंत्रता के बाद पहली बार मुख्यमंत्री की राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक दूरदृष्टि और साहसिक निर्णय क्षमता के कारण ही संभव हो पाया। आज लखनऊ, नोएडा, वाराणसी, आगरा, गाजियाबाद और प्रयागराज, कानपुर जैसे नगरों में लागू कमिश्नरेट प्रणाली ने उत्तर प्रदेश में सक्रिय, उत्तरदायी और पारदर्शी पुलिसिंग के नए मानक स्थापित किए हैं। इससे अपराध नियंत्रण में सफलता के साथ ही जनता का पुलिस पर विश्वास सशक्त हुआ है। इस परिवर्तन में गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट ने अग्रणी भूमिका निभाई है व पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह को विशेष रूप से बधाई देना चाहता हूँ, जिन्होंने नोएडा पुलिस को न केवल उत्कृष्ट नेतृत्व प्रदान किया, बल्कि महिला सशक्तिकरण के नए प्रतिमान भी स्थापित किए। उनकी उत्तर प्रदेश की पहली महिला पुलिस कमिश्नर के रूप में नियुक्ति मिशन शक्ति अभियान की मूल भावना को साकार करती है। उन्होंने मिशन शक्ति अभियान के प्रारंभिक वाहक के रूप में महिला सशक्तिकरण को राज्य की सुरक्षा नीति का अभिन्न हिस्सा बनाया। गौतमबुद्धनगर पुलिस ने पिछले कुछ वर्षों में कई मोर्चों पर उल्लेखनीय सफलताएँ अर्जित की हैं, चाहे वह गैंगस्टर एवं माफिया नेटवर्क पर कठोर कार्रवाई हो, साइबर अपराध के विरुद्ध विशेष अभियान, ड्रग्स और अवैध शराब के खिलाफ निर्णायक कदम, अवैध कॉल सेंटरों का पर्दाफाश, या फिर वैश्विक आयोजनों की उत्कृष्ट सुरक्षा व्यवस्था। इसके साथ–साथ महिला सुरक्षा हेतु पिंक बूथ्स की स्थापना, थानों में वीडियो वॉल्स की शुरुआत, त्वरित रिस्पॉन्स के लिए मॉडर्न वाहनों का समावेश, और जेवर एयरपोर्ट जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं में भागीदारी ने नोएडा पुलिस को पूरे राज्य में एक मॉडल फोर्स के रूप में स्थापित किया है। पुलिस महानिदेशक उ०प्र० द्वारा पुलिस बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने में दिये गये सहयोग के लिए याकोहामा समूह का हृदय से धन्यवाद देते हुए अन्य कॉर्पोरेट समूहों, औद्योगिक संस्थानों और स्टार्टअप्स से भी आह्वान किया कि वे आगे आएँ और पुलिसिंग को सहयोग देकर राज्य की सुरक्षा एवं सुशासन में भागीदार बनें। साथ ही यह भी कहा गया कि पुलिस अब सिर्फ कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज और उद्योग दोनों की साझा जिम्मेदारी बन चुकी है। अंत में गौतमबुद्ध नगर पुलिस के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विशेष रूप से पुलिस कमिश्नर को उनके उत्कृष्ट कार्यों के

लिए हार्दिक बधाई दी गयी तथा कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस आज एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है जहाँ संवेदनशीलता के साथ सख्ती है, तकनीक के साथ मानवीय दृष्टिकोण है, और परंपरा के साथ नवाचार है एवं कहा कि हम सभी को मिलकर एक ऐसा उत्तर प्रदेश बनाना है जो सुरक्षित हो, सशक्त हो और समाज के हर वर्ग को सुरक्षा का भरोसा दे। पुलिस महानिदेशक उ०प्र० द्वारा कार्यक्रम के दौरान नन्हें परिंदे संस्था से आए बच्चों से आत्मीय भेंट की गई। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों का हालचाल जाना और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। साथ ही, उन्हें उपहार भी प्रदान किए गए, पुलिस महानिदेशक ने समाज में ऐसे संस्थानों की भूमिका की सराहना की और समाज के सभी वर्गों को जरूरतमंद बच्चों के कल्याण में सहयोग देने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के पश्चात में पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर द्वारा पुलिस महानिदेशक उ०प्र०, सांसद, गौतमबुद्धनगर, विधायक दादरी और जेवर, सीईओ ग्रेटर नोएडा, सीईओ नोएडा, जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर, यामाहा मोटर ग्रुप के कॉर्पोरेट निदेशक को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस महानिदेशक उ०प्र० द्वारा पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस कार्मिको की सराहना करते हुए उन्हे पुरस्कार /प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सीईओ ग्रेटर नोएडा, सीईओ नोएडा, जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर, यामाहा मोटर ग्रुप के कॉर्पोरेट निदेशक सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

संपादकीय

संघ-भाजपा में तालमेल

भले ही प्रसंग राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सौ साल पूरा होने का हो, लेकिन प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की संघ के मुख्यालय की पहली यात्रा के गहरे निहितार्थ भी हैं। जो इस बात का संकेत है कि पिछले आम चुनाव के दौरान संघ व भाजपा के रिश्तों में जिस खटास की बात कही जा रही थी, वह संवाद व संपर्क से दूर कर ली गई है। जो इस बात का भी संकेत है कि आने वाले वक्त में पार्टी व सरकार के अहम फैसलों में संघ की भूमिका बढ़ सकती है। यूं तो प्रधानमंत्री ने बीते रविवार को नागपुर यात्रा के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी की, लेकिन उनका प्रधानमंत्री के रूप में संघ मुख्यालय पहुंचना खास चर्चा में रहा। उल्लेखनीय है कि चौथाई सदी पहले संघ मुख्यालय पहुंचने वाले अटल बिहारी वाजपेयी पहले प्रधानमंत्री थे। इसमें कोई दो राय नहीं है कि मोदी भी संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। साथ ही वे संघ की रीति–नीतियों से भली–भांति परिचित हैं। लेकिन पिछले आम चुनाव के दौरान भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के ऐसे बयान चर्चाओं में थे कि पार्टी का कद संघ से बड़ा हो गया है। जिसके चलते संघ व भाजपा के रिश्तों में कुछ कसक देखी गई। जिसकी कुछ इस तरह व्याख्या की गई कि पार्टी जिस तरह चार सौ पार के लक्ष्य से चूकी, उसके मूल में संघ कार्यकर्ताओं की उदासीनता रही है। बाद में दोनों के रिश्ते सामान्य होने के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जो आशातीत सफलता हाथ लगी, कहा जा रहा था कि उसमें संघ कार्यकर्ताओं का समर्पण व योगदान महत्वपूर्ण घटक रहा। अब संघ मुख्यालय में प्रधानमंत्री की यात्रा से यह तथ्य भी उजागर हुआ कि दोनों की रीतियों–नीतियों फिर से बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है। अब राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि आने वाले दिनों में केंद्र सरकार के फैसलों में संघ के दृष्टिकोण का प्रभाव नजर आएगा। वहीं दूसरी ओर कहा तो यहां तक भी जा रहा है कि आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में संघ की भूमिका हो सकती है। ऐसा ही असर बदलते वक्त के साथ पार्टी के अन्य फैसलों पर भी नजर आ सकता है। यानी दोनों अब सामंजस्य व सहजता के साथ आगे बढ़ेंगे। अर्थात पार्टी अब अपने वैचारिक स्रोत के साथ बेहतर तालमेल करके चलना चाहेगी। यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने संघ मुख्यालय में कहा कि संघ का विचार बीज अब वट वृक्ष का रूप ले चुका है। उन्होंने संघ कार्यकर्ताओं के योगदान की चर्चा करते हुए संघ को भारतीय संस्कृति का विशाल वट वृक्ष बताया। बहरहाल, भाजपा संघ से कुछ मुद्दों पर असहमति से आगे निकल चुकी है। उल्लेखनीय है कि आम चुनाव परिणाम के बाद संघ प्रमुख ने नसीहत दी थी कि लोगों की सेवा करने वाले एक सच्चे सेवक में अहंकार नहीं होना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी कतिपय उन नेताओं की तरफ इशारा भी था जिन्होंने कहा था कि पार्टी बड़ी हो गई है और उसे संघ की पहले की तरह जरूरत नहीं है। इसके बाद संघ ने अपने महत्व का अहसास पार्टी को कराया। जिसका राजनीतिक लाभ भाजपा को कुछ राज्यों के विधानसभा चुनावों में मिला भी। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा नागपुर यात्रा के दौरान की गई टिप्पणियों का निष्कर्ष यह भी है कि संघ परिवार की अब सरकार व पार्टी में भूमिका बढ़ सकती है। राजनीतिक पंडितों को तब आश्चर्य नहीं होगा।?

ट्रम्प के टैरिफ की चुनौती से मुकाबले की तैयारी

ओनिंद्यो

तकरीबन 2,000 साल पहले, जब रोमन साम्राज्य अपने चरम पर था, भूमध्य सागर से बाहर के बंदरगाहों से आने वाले व्यापारिक जहाजों को अपने साथ लाए जाने वाली प्रत्येक वस्तु पर एकमुश्त कर चुकाना पड़ता था। कुछ शताब्दियों बाद, जब इस इलाके पर रोमनों का राज जाता रहा और यह क्षेत्र यहां–वहां बिखरे देशों और छोटी सल्तनतों में विभक्त हो गया, तो व्यापारियों को एक बंदरगाह से दूसरे राजा के बंदरगाह तक जाने के लिए कई किस्म के शुल्कों का सामना करना पड़ा। इसलिए, एक

परंपरा विकसित हुई, जिसमें व्यापारियों को पहले से ही यह बता दिया जाता था कि प्रत्येक वस्तु पर कितना कर लगाया जाएगा। अरबी भाषा में इसे 'तारीफे:' अर्थात्‌ अधिसूचना कहा जाता था। यही शब्द अन्य भाषाओं में भी आया, स्पेनिश में 'टैरिफा', इतालवी में 'टैरिफा' और आगे चलकर अंग्रेजी में 'टैरिफ' बना। गया। आज, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बदौलत, यह शब्द पिछले चार दशकों से चली आ रही विश्व व्यवस्था में खलल डालने पर तुला है। कुछ ही दिनों में, ट्रम्प की 'जवाबी' टैरिफ नीति हर देश को प्रभावित करने वाली है। अमेरिका में आयात शुल्क दर अब ठीक उतनी होगी जो माल भेजने वाला देश अमेरिकी वस्तुओं के आयात पर लगाएगा। हम पर भी इसका असर होगा। साल 2023–24 में अमेरिका को हमारा निर्यात 78 बिलियन डॉलर रहा और इस वित्त वर्ष की पहली छमाही में यह 60 बिलियन डॉलर को पार कर गया। इनमें से सबसे बड़ा हिस्सा दवाइयों का था– हमारी दवा कंपनियां अमेरिका को महत्वपूर्ण दवाओं के सस्ते संस्करण निर्यात करती हैं और कमाई मोटी है। इनके बाद सबसे बड़ा अंश था टेलीकॉम उत्पादों का, जैसे कि भारत में पुर्जे जोड़कर बनाए आईफोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रिकल गैजेट एवं मशीनें इत्यादि। हालांकि, हम अमेरिकी उपभोक्ताओं को बहुत अधिक कारें नहीं बेचते हैं, लेकिन ऑटो पार्ट्स हम खूब निर्यात करते हैं। अमेरिकी बाजार हमारे सकल ऑटोमोबाइल निर्यात का 27 प्रतिशत हिस्सा है। हम अन्य देशों को भी ऑटो पार्ट्स निर्यात करते हैं, जिनका उपयोग ऑटोमोबाइल तैयार करने में किया जाता है, जिन्हें आगे अमेरिका भेजा जाता है। निर्यात का एक अन्य बड़ा हिस्सा हीरे एवं सोने के गहने हैं। वर्ष 2024 में, हमने अमेरिका को 12 बिलियन डॉलर के रत्न और आभूषण निर्यात किए। हम वहां कपड़ा और परिधान भी भेजते हैं। पिछले साल, हमने अमेरिका को 11 बिलियन डॉलर के रेडीमेड परिधान, यार्न और टेक्सटाइल बेचे। भारत से अमेरिका को कई किस्म के समुद्री खाद्य पदार्थ भी निर्यात किए जाते हैं। हम अमेरिकी उपभोक्ताओं को विभिन्न किस्मों के चावल भी बेचते हैं। वर्ष 2024 में अमेरिकी बाजार में भारत से कुल मिलाकर 6 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के कृषि उत्पाद, समुद्री भोजन, मछली और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ पहुंचे थे। वर्तमान में, अमेरिका को भारत का सकल निर्यात उसके यहां से आने वाले माल से 45 बिलियन डॉलर अधिक है। ट्रंप का मानना है कि इस अंतर का एक बड़ा कारण है कि भारत अमेरिकी वस्तुओं पर बहुत अधिक टैरिफ लगाता है, जिससे भारतीय बाजार में अमेरिकी सामान अधिक महंगा हो जाता है। भारत विदेश से घरेलू अर्थव्यवस्था में आने वाली वस्तुओं पर औसतन 12 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। यह अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ से पांच गुना अधिक है। लेकिन बात जब विशिष्ट वस्तुओं की आए तो यह अंतर और भी अधिक गहरा हो जाता है। आयातित कृषि उत्पादों पर भारत औसतन 37.8 प्रतिशत टैरिफ लगाता है जबकि अमेरिका केवल 5.4 प्रतिशत लगा रहा है। अमेरिका में बने ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स पर हमारा टैरिफ उसके द्वारा भारतीय कलपुर्जों पर वहां लगाए जाने वाले शुल्क से 24 प्रतिशत से भी ज्यादा है। हाल ही तक, अमेरिका भारतीय ऑटो कलपुर्जों पर महज 1 प्रतिशत शुल्क लगाता रहा था। भारत और अमेरिका के टैरिफ के बीच अब तक रहे अंतर में : कृषि उत्पादों में 32.4 प्रतिशत, ऑटो पार्ट्स में 23.1 प्रतिशत, हीरे और सोने के आभूषणों में 13.3 प्रतिशत, फार्मास्यूटिकल्स में 8.6 प्रतिशत तो इलेक्ट्रॉनिक, इलेक्ट्रिकल और दूरसंचार उत्पादों में 7.2 प्रतिशत शामिल है। यही चीज ट्रम्प के निशाने पर है। भारत के टैरिफ जितना शुल्क लगाने का उनका निर्णय या तो भारतीय निर्यात को अप्रतिस्पर्धी बना देगा या फिर अगर भारत चाहता है कि अमेरिकी बाजार तक अपने माल की पहुंच जारी रहे, तो उसे अपने टैरिफ अमेरिका के समान करने को मजबूर होना पड़ेगा। दोनों ही विकल्प भारत के लिए बुरे हैं। ट्रम्प के जवाबी टैरिफ से भारतीय कृषि उत्पाद, समुद्री भोजन और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ अमेरिका में 31 प्रतिशत तक महंगे हो जाएंगे। अमेरिकी उपभोक्ता के लिए यह कारण बासमती चावल की बजाय इसके सस्ते विकल्प 'टेक्समती' की और मुड़ने के लिए काफी होगा। भारतीय ऑटो पार्ट्स भी 23 प्रतिशत महंगे हो जाएंगे। अमेरिकी बाजार में भारत निर्मित दवाएं और अन्य चिकित्सा उत्पाद 7 से 9 प्रतिशत तो रत्न एवं आभूषण 13 प्रतिशत महंगे पड़ेंगे। इससे भारतीय उत्पाद अमेरिकी दुकानों से बाहर हो सकते हैं। हमारे निर्यातक प्रतिस्पर्धा करने में तभी सक्षम हो सकेंगे, जब वे अपनी बिक्री कीमत कम रख पाएंगे। इसलिए, भारतीय झींगा और मसालों को 17 प्रतिशत कम पर बेचना पड़ सकता है ताकि उच्च टैरिफ के बाद भी अमेरिकी सुपर मार्केट में उनकी बिक्री बनी रहे। पिछले कुछ वर्षों में, भारतीय फार्मा कंपनियों ने अमेरिका में खुदरा दवा बिक्री में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई थी, जिससे आयरलैंड और स्विट्जरलैंड के बाद भारत अमेरिका को तीसरा सबसे बड़ा फार्मास्यूटिकल्स निर्यातक बन गया। अब ट्रंप के जवाबी टैरिफ लागू होने से भारतीय दवा कंपनियों को यह सुनिश्चित करने को कि अमेरिकी उपभोक्ता की जेब पर असर न पड़े, अपनी कीमतों में 6–8 प्रतिशत की कमी करनी पड़ जाएगी, अन्यथा हो सकता है वे फिर से आयरिश और स्विस दवा निर्माताओं की ओर रुख करें, जिन्हें भारतीय कंपनियों के हाथों अपना हिस्सा गंवाना पड़ रहा है। वास्तव में, ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह बहुत जल्द फार्मास्यूटिकल्स पर और ऊंचे टैरिफ की घोषणा करेंगे,

मानवीय क्षति के कारकों की गहरी पड़ताल जरूरी

पंकज

दो महीने पहले कश्मीर के राजौरी जिले के गांव बड्डाल में हुई 17 लोगों की संदिग्ध मौत की गुत्थी अब और उलझती जा रही है। सीएसआईआर के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टॉक्सिकोलॉजी रिसर्च प्रयोगशाला ने गहन जांच के बाद यह स्पष्ट किया कि मौत का कारण ग्रामीणों के शरीर में पाया गया क्लोरफेनेपायर नामक जहरीला रसायन था। इस गांव में 16 लोग ऐसे भी थे जो बीमार हुए, लेकिन डॉक्टर्स ने उन्हें मौत के मुंह से खींच लिया। लोगों का इलाज करने वाले पीजीआई, चंडीगढ़ के डॉक्टर्स का कहना था कि उन्होंने एंटीडोट के रूप में एट्रोपिन दवा का प्रयोग किया, और इसने 100 प्रतिशत परिणाम दिए। हालांकि, एट्रोपिन का इस्तेमाल ऑर्गेनोफॉस्फोरस विषाक्तता के लिए एक प्रभावी उपचार है, लेकिन आश्चर्यजनक यह है कि किसी भी बीमार या मृत व्यक्ति के शरीर में ऑर्गेनोफॉस्फोरस विषाक्तता के लक्षण नहीं दिखे। अब, जिस क्लोरफेनेपायर को मौत का कारण बताया जा रहा है, उसका यहां दूर–दूर तक कोई उपयोग नहीं होता। समझना होगा कि क्लोरफेनेपायर एक व्यापक स्पेक्ट्रम कीटनाशक है जिसका उपयोग दीमक और फसलों को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। मलेरिया के संभावित उपचार के रूप में भी इसको लेकर प्रयोग चल रहे हैं। क्लोरफेनेपायर सूक्ष्मजीवी रूप से उत्पादित यौगिकों के एक वर्ग से प्राप्त होता है, जिसे हैलोजेनेटेड पाइरोल्स के नाम से जाना जाता है। क्लोरफेनेपायर एक सहयोगी –कीटनाशक है, जिसका अर्थ है कि यह एक अन्य रसायन में सक्रिय होकर कीटों को मारता है। क्लोरफेनेपायर का सक्रिय मेटाबोलाइट ट्रालोपायरिल है, जो कीटों के माइटोकॉन्ड्रिया में एटीपी के उत्पादन को बाधित करता है। इससे कीट की कोशिका मर जाती है और अंततः जीव मृत्यु हो जाती है। डब्ल्यूएचओ द्वारा इसकी पहचान एक मध्यम विषाक्त कीटनाशक के रूप में की गई है, लेकिन विषाक्त रोगियों की मृत्यु दर बहुत अधिक है। क्लोरफेनेपायर इंसान के साथ–साथ पक्षियों, मछलियों और जलीय अकशेरुकी जीवों के लिए अत्यधिक विषैला है। यदि इंसान पर इसका असर हो तो पहले पसीने आते हैं फिर तेज बुखार, रैबडोमायोलिसिस तथा तंत्रिका तंत्र के लक्षणों का बिगड़ना शुरू हो जाता है। वैसे बड्डाल के मरीजों में यह सभी लक्षण देखे गए थे। क्लोरफेनेपायर का उपयोग व्यावसायिक रूप से दीमक नियंत्रण और फसल सुरक्षा के लिए किया जाता है। मलेरिया वेक्टर नियंत्रण में इसके संभावित उपयोग का भी मूल्यांकन किया गया है। प्रयोगशाला अध्ययनों में क्लोरफेनेपायर को बहु–कीटनाशक–प्रतिरोधी मच्छरों के विरुद्ध प्रभावी पाया गया। हालांकि, जब बड्डाल में बीमारी का हो–हल्ला हुआ तो एम्स दिल्ली सहित कई शीर्ष संस्थाओं की टीम वहां पहुंची। केन्द्रीय मंत्री ने जनवरी के दूसरे हफ्ते में ही कह दिया था कि मरने वालों के शरीर में कैडमियम की भारी मात्रा पाई गई और मौत का कारण यही है। वहीं 24 जनवरी को पीजीआई चंडीगढ़ की रिपोर्ट से पता चला है कि बीमार लोगों के शरीर में बहुत–सी भारी धातु पाई गई है। यही नहीं इन धातुओं की मात्रा सामान्य से कई गुना ज्यादा मिली। विशेषज्ञों के अनुसार ये भारी धातुएं जहर जैसा काम करती हैं। उसके बाद मरीजों के नमूनों को केंद्रीय एफएसएल, डीआरडीओ ग्वालियर व अन्य प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं को भी भेजा गया था। इस बीमारी के बाद जिले की सभी कीटनाशक और कृषि सामग्री की बिक्री करने वाली दुकानें सील की गईं, वहां से नमूने उठाए गए लेकिन कहीं से भी न भारी धातु और न ही क्लोरफेनेपायर के कोई अवशेष मिले। यही नहीं, इस रसायन को आनलाइन स्टोर से खरीदने के भी कोई प्रमाण नहीं मिले।

..... स्वास्थ्य .....

दोस्त नहीं आपका दुश्मन है फोन, सेहत के खराब करने के साथ ही छीन रहा है रातों की नींद

एक अध्ययन में पाया गया है कि सोने से एक घंटे पहले स्क्रीन का उपयोग अनिद्रा के जोखिम को लगभग 60 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है और नींद के समय को लगभग आधे घंटे तक कम कर सकता है। नॉर्वे में 18–28 वर्ष की आयु के 45,000 से अधिक छात्रों से उनके सोने के समय और आदतों के बारे में पूछा गया, जिसमें यह भी शामिल था कि वे बिस्तर पर जाने के बाद कितनी देर तक स्क्रीन का उपयोग करते हैं। प्रतिभागियों द्वारा स्क्रीन के उपयोग का उद्देश्य, जैसे कि फिल्में देखना या सोशल मीडिया, भी बताया गया।

सोने से पहले नींद का उपयोग खतरनाक

नॉर्वेजियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ के गनहिल्ड जॉन्सन हेटलैंड और फ्रंटियर्स इन साइकियाट्री जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के मुख्य लेखक ने कहा, ष्स्क्रीन गतिविधि का प्रकार उतना मायने नहीं रखता जितना कि बिस्तर पर स्क्रीन का उपयोग करते हुए बिताया गया कुल समय।ष हेटलैंड ने कहा– ष्हमें सोशल मीडिया और अन्य स्क्रीन गतिविधियों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं मिला, यह दर्शाता है कि स्क्रीन का उपयोग ही नींद में खलल डालने वाला मुख्य कारक है – संभवतः समय विस्थापन के कारण, जहां स्क्रीन का उपयोग समय लेकर नींद में देरी करता है, जो अन्यथा आराम करने में व्यतीत होता है।ष

चार तरीकों से नींद को प्रभावित करता है फोन

अनिद्रा को 30 मिनट से अधिक समय तक सोने के रूप में परिभाषित किया जाता है और इसमें रात के दौरान अक्सर नींद से जागने जैसी गड़बड़ी शामिल हो सकती है। नींद की गुणवत्ता प्रभावित होती है और इसलिए, व्यक्ति दिन के दौरान नींद महसूस कर सकता है, जिससे गतिविधियों में बाधा आती है। शोधकर्ताओं ने बताया कि स्क्रीन का उपयोग चार तरीकों से नींद को प्रभावित कर सकता है – सूचनाएं नींद में खलल डालती हैं, स्क्रीन का समय सोने के समय की जगह ले लेता है, स्क्रीन की गतिविधियां आपको जगाए रखती हैं जिससे आपको सोने में अधिक समय लगता है, या प्रकाश के संपर्क में आने से सर्कैडियन लय में देरी होती है। हेटलैंड ने कहा कि छात्रों में नींद की समस्याएं बहुत आम हैं और मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षणिक प्रदर्शन और समग्र कल्याण के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं।

सोने से 30–60 पहले ही छोड़ दें फोन

लेखकों ने लिखा, ष्बिस्तर पर जाने के बाद स्क्रीन के समय में एक घंटे की वृद्धि अनिद्रा के लक्षणों की 59 प्रतिशत अधिक संभावना और 24 मिनट की नींद की अवधि में कमी से जुड़ी थी।ष शोधकर्ताओं ने कहा कि परिणाम ने संकेत दिया कि स्क्रीन आराम को विस्थापित करके नींद के समय को कम करती है, इसलिए नहीं कि वे जागने को बढ़ाती हैं – अलग–अलग गतिविधियों से जागने को अलग–अलग तरीके से प्रभावित करने की उम्मीद की जाती है। यदि आप नींद से जूझ रहे हैं और संदेह करते हैं कि स्क्रीन का समय एक कारक हो सकता है, तो बिस्तर पर स्क्रीन का उपयोग कम करने का प्रयास करें, आदर्श रूप से सोने से कम से कम 30–60 मिनट पहले इसे बंद कर दें,ष। लेखक ने कहा– ष्यदि आप स्क्रीन का उपयोग करते हैं, तो रात के दौरान व्यवधानों को कम करने के लिए सूचनाओं को अक्षम करने पर विचार करें।

हाथ-पैर की Tanning हो गई है ज्यादा, घर पर ऐसे करें पेडीक्योर और मैनीक्योर

हम में से ज्यादातर लोग चेहरे की देखभाल पर ध्यान देते हैं, लेकिन हाथ और पैरों की सफाई भी उतनी ही जरूरी है। अगर आपके हाथ और पैर साफ और निखरे हुए होंगे, तो आपकी खूबसूरती और भी बढ़ जाएगी। खासकर, जब आप घर पर ही आराम से मैनीक्योर और पेडीक्योर कर सकती हैं। तो क्यों न कुछ आसान और असरदार तरीके अपनाए जाएं, ताकि आपके हाथ–पैर भी आपके चेहरे की तरह चमकदार और सुंदर दिखें? आइए, हम आपको बताते हैं कुछ सिम्पल और प्रभावी उपाय जिनसे आप घर पर अपनी त्वचा को साफ और स्वस्थ रख सकती हैं।

घर पर मैनीक्योर और पेडीक्योर किस चीज से करें?

नींबू और चीनी का इस्तेमाल

नींबू का रस और चीनी का मिश्रण आपके हाथ और पैरों की सफाई के लिए बेहद फायदेमंद है। यह टैनिंग को कम करने में मदद करता है और त्वचा को चमकदार बनाता है। नींबू में नेचुरल ब्लीचिंग गुण होते हैं, जबकि चीनी स्क्रब के रूप में काम करती है, जिससे त्वचा को मुलायम और निखरी हुई दिखती है। नींबू के रस में चीनी मिलाकर अपने हाथ–पैरों पर धीरे–धीरे मसाज करें। कुछ मिनटों तक इसे रगड़ने के बाद पानी से धो लें। इससे न केवल टैनिंग कम होगी बल्कि त्वचा भी साफ और चमकदार नजर आएगी।

दही और हल्दी का मिश्रण

दही और हल्दी का मिश्रण भी त्वचा के लिए लाभकारी है। यह न केवल टैनिंग को कम करता है, बल्कि त्वचा को पोषण भी देता है। हल्दी में एंटी बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं, और दही त्वचा को नमी प्रदान करता है। दही में हल्दी मिलाकर इसे हाथ–पैरों पर अच्छे से लगाएं। इसे 15–20 मिनट तक छोड़ने के बाद गुनगुने पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा नरम और चमकदार हो जाएगी।

बेसन और दूध का मिश्रण

बेसन और दूध का यह मिश्रण आपके हाथ और पैरों की टैनिंग को कम करने में सहायक है। यह त्वचा को गहरी सफाई देता है और स्किन को पोषण भी मिलता है।

बेसन का प्राकृतिक गुण त्वचा को साफ करता है और दूध त्वचा को मुलायम बनाता है। एक चम्मच बेसन में थोड़ा सा दूध मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट बना लें। इसे अपने हाथों और पैरों पर लगाकर अच्छे से मसाज करें और फिर गुनगुने पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा को न सिर्फ सफाई मिलेगी, बल्कि यह और भी निखरेगी।

घर पर पेडीक्योर कैसे करें?

पेडीक्योर से पैरों को साफ और निखारा जा सकता है। सही तरीके से पेडीक्योर करने से न केवल पैरों की खूबसूरती बढ़ती है बल्कि यह पैरों को आराम भी आसानी से निकल जाती है। पैरों को गरम पानी में भिगोएंरू पेडीक्योर की शुरुआत पैरों को गरम पानी में भिगोकर करें। इससे पैरों की त्वचा मुलायम होती है और गंदगी भी आसानी से निकल जाती है।

नाखूनों की देखभाल करें पैरों के नाखूनों को अच्छे से काटकर फाइल करें। इससे नाखून साफ और आकार में आते हैं। साथ ही, नाखूनों का ध्यान रखना जरूरी है, ताकि वे स्वस्थ और सुंदर दिखें।

स्क्रबिंग करें पैरों को अच्छे से स्क्रब करें ताकि मृत त्वचा निकल जाए। इसके लिए आप घर में उपलब्ध किसी भी स्क्रब का उपयोग कर सकते हैं या फिर नींबू–चीनी मिश्रण का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

मॉइश्चराइजिंग– स्क्रब के बाद पैरों को अच्छे से धोकर मॉइश्चराइज करें। इससे त्वचा को नमी मिलती है और पैरों पर कोई खामियां नहीं दिखतीं।

मॉइश्चराइज करने के बाद पैरों को ढक लें ताकि नमी बनी रहे। आप सॉक्स का भी इस्तेमाल कर सकते हैं, जिससे मॉइश्चराइजर त्वचा में अच्छे से समा जाए।

घर पर मैनीक्योर कैसे करें?

हाथों को कुछ देर गरम पानी में भिगोकर रखें। यह हाथों की त्वचा को मुलायम करता है और नाखूनों से गंदगी निकालने में मदद करता है। हाथों के नाखूनों को अच्छे से काटें और फाइल करें ताकि वे बराबर और आकर्षक दिखें। फाइलिंग से नाखूनों का आकार सुंदर रहता है।

हाथों को अच्छे से धोने के बाद, उन्हें मॉइस्चराइज करना बहुत जरूरी है। इससे आपकी त्वचा नरम और स्मूथ महसूस होती है। हाथों को मॉइश्चराइज करने के बाद, आप उन्हें कवर कर सकती हैं ताकि नमी लंबे समय तक बनी रहे। आप बेजिन के दस्ताने या कुछ समय के लिए रुमाल का भी उपयोग कर सकती हैं। इन आसान और असरदार तरीकों से आप अपने हाथ और पैरों की सफाई अच्छे से कर सकती हैं। ध्यान रखें, नियमित रूप से हाथ–पैरों की देखभाल करने से आपकी सुंदरता और भी बढ़ जाएगी।

रामनवमी की तैयारी में जुटा प्रशासन, ट्रस्ट के साथ की बैठक, श्रद्धालुओं के लिए होंगे खास इंतजाम

लखनऊ, (संवाददाता)। रामनवमी पर रामनगरी अयोध्या में आस्था का जनसैलाब उमड़ने की संभावना को देखते हुए जिला व पुलिस प्रशासन ने विशेष तैयारियां की हैं। प्रवेश मार्ग पर होल्डिंग एरिया के साथ राम मंदिर व हनुमानगढ़ी में शेड व श्रद्धालुओ के चलने के लिए मैटिंग की व्यवस्था की जाएगी। सरयू स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए चेजिंग रूम व शौचालय की व्यवस्थाओं पर प्रशासन का फोकस रहेगा। डीएम चन्द्रविजय सिंह ने बताया कि रामनवमी के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे। हनुमानगढ़ी व रामजन्मभूमि पर शेड की व्यवस्था व श्रद्धालुओ के चलने के स्थान पर मैटिंग की व्यवस्था रहेगी, जिससे उन्हें चलने में किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना न करना पड़े। पर्याप्त शौचालय व पानी की व्यवस्थाओं पर ध्यान दिया गया है। नयाघाट पर स्नान करने वाले श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त चेजिंग रुम की व्यवस्था रहेगी। जनपद में विभिन्न प्रवेश मार्ग पर होल्डिंग एरिया रहेंगे। जिस प्रकार महाकुंभ में व्यवस्था की गई थी श्रद्धालुओं की भारी संख्या को लेकर उसी प्रकार की व्यवस्था फिर से की जाएगी। व्यवस्थाओं को लेकर राम मंदिर ट्रस्ट के साथ भी बैठक की गई है। प्रशासन गर्मी को देखते हुए श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन की व्यवस्था कर रहा है। आईजी प्रवीण कुमार ने कहा कि रामनवमी का पर्व पुरातन काल से श्रद्धा का पर्व है। मान्यताएं सरयू नदी में स्नान की हैं। बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ इसमें सम्मलित होती है। इस बार भीषण गर्मी के बाद अत्याधिक भीड़ उमड़ने की सम्भावनाओं को देखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं हैं। पार्किंग में व्यवस्था करने के साथ होल्डिंग एरिया भी बनाए गए हैं। लोगों की सुरक्षा, सुविधा व स्वास्थ्य से जुड़े सभी विभागों के साथ मिलकर व्यवस्था की गई है। सामाजिक संगठन भी मदद में आगे आएंगे। पेयजल की व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य विभाग को एक्टिव किया जाएगा।

बदली रहेगी पूरे शहर की ट्रैफिक व्यवस्था, शहीद पथ पर होंगे किस तरह के बदलाव

लखनऊ, (संवाददाता)। शहर के इकाना स्टेडियम में एक अप्रैल से 18 मई के बीच आईपीएल के सात मैच खेले जाएंगे। इसके लिए यातायात पुलिस ने डायवर्जन जारी किया है। यह यातायात व्यवस्था 1, 4, 12, 14, 22 अप्रैल, 9 व 18 मई को रात 12 बजे तक मैच खत्म होने तक लागू रहेगी। ट्रैफिक पुलिस ने अलग–अलग वर्ग के यातायात के लिए अलग अलग रूट चार्ट जारी किया है। ऑटो व ई रिक्शा को मैच वाले दिन मेन रोड व सर्विस रोड पर प्रतिबंधित किया गया है। इसके अलावा ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि मैच के दिन टिकट बिक्री का कोई काउंटर नहीं होगा। हार्ड कॉपी दिखाकर प्रवेश मिलेगा और मैच शुरू होने के तीन घंटे पहले ही प्रवेश दिया जाएगा। अंतिम प्रवेश दूसरी पारी के मध्य तक होगा, इसके बाद एंट्री बंद होगी। स्टेडियम से बाहर निकलने पर दोबारा प्रवेश मान्य नहीं होगा। यूपी–112 मुख्यालय के पीछे की सड़क की तरफ अस्थायी पिक एंड ड्रॉप स्टैंड होगा, जहां निजी वाहन, ऑटो रिक्शा सवारी उतार व बैठा सकेंगे। बिना ड्यूटी कार्ड व टिकट के प्रवेश नहीं मिलेगा। सिक्का, ईयरफोन व ज्वलनशील पदार्थ प्रतिबंधित रहेंगे। स्टेडियम के आसपास रहने वाले लोग मैच देखने के लिए ही सिर्फ स्टेडियम की ओर जाएं, अन्यथा दूसरे रास्तों का इस्तेमाल करें। सुबह 07रू30 बजे से शुरू हो रहे मैच के लिए छह व आठ बजे तक पीक ऑवर में आने से बचें। 1. शहीद पथ पर मैच के दौरान रोडवेज व अन्य सभी बसें व छोटे–बड़े व्यावसायिक वाहन प्रतिबंधित रहेंगे, जबकि अन्य वैकल्पिक मार्ग खुले रहेंगे। निजी अथवा किराये की टैक्सी वाहनों पर रोक नहीं रहेगी। मैच के दौरान सिटी बसें शहीद पथ पर हुसड़िया व सुशांत गोल्फ सिटी के बीच नही रुकेंगी और सड़क की दाईं ओर चलेंगी। 2. अर्जुनगंज की ओर से आने वाले ई–रिक्शा व ऑटो अहिमामऊ से बाएं मुड़कर पीएचक्यू, यूपी–112, मातृत्व अस्पताल के पीछे वाली सड़क पर सवारी उतारेंगे और पीएचक्यू के सामने से होते हुए जी–20 तिराहे से गोमतीनगर की तरफ जाएंगे। ओलाध्ऊबर व अन्य टैक्सी वाहनों के लिए

1. सिटी बस की तरह हुसड़िया से सुशांत गोल्फ सिटी के बीच शहीद पथ पर सवारी न बैठाएंगे और न ही सवारी उतारेंगे।

2. एयरपोर्ट की तरफ से आने वाले वाहन अहिमामऊ से पहले सवारी उतारेंगे।

3. अर्जुनगंज की तरफ से आने वाली वाहन अहिमामऊ से बाएं मुड़कर पीएचक्यू, यूपी–112, मातृत्व अस्पताल के पीछे वाली सड़क पर सवारी उतारेंगे और पीएचक्यू के सामने से होते हुए जी–20 तिराहे से गोमतीनगर की ओर जाएंगे।

निजी वाहनों के लिए रूट चार्ट

1. निजी वाहन अहिमामऊ से एचसीएल की तरफ जाकर वाटर टैंक तिराहा से प्लासियो माल होते हुए चिह्नित पार्किंग में वाहन पार्क करेंगे। प्लासियो मॉल की पार्किंग भर जाने के बाद वाटर टैंक तिराहे से एचसीएल के बीच पार्किंग होगी।

दो पहिया व अन्य वाहन के लिए रूट

1. सभी दोपहिया वाहन अहिमामऊ से एचसीएल तिराहा होते हुए प्लासियो माल के पीछे वाहन पार्क करेंगे।

2. वीवीआईपीध्वीआईपी के साथ आने वाले स्कोर्ट स्टेडियम से वापस होकर मॉल अथवा पीएचक्यू के पीछे वाली सड़कों पर वाहन पार्क करेंगे। स्टेडियम के पास कोई वाहन नहीं खड़ा होगा। अवैध पार्किंग पर टोईंग व क्लैम्प लगाने की कार्रवाई होगी।

3. सुरक्षाकर्मी जो विशिष्ट या अतिविशिष्ट दर्शकों के साथ आएगे, उन्हें अंदर जाने की अनुमति नहीं होगी। पार्किंग क्षेत्र स्थापित रहेंगे। मात्र टिकट धारक ही पार्किंग स्टैंड में प्रवेश कर पाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

पूरे प्रदेश में आज से बदल जाएगी स्कूलों की टाइमिंग, इस समय से खुलेंगे बेसिक और माध्यमिक स्कूल

लखनऊ, (संवाददाता)। एक अप्रैल से प्रदेश भर के बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों के खुलने का समय बदल जाएगा। शासन के पहले से चले आ रहे नियमों के अनुसार प्राथमिक विद्यालय सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक चलेंगे। माध्यमिक विद्यालयों के समय में आधे घंटे का अंतर रहेगा। माध्यमिक विद्यालय सुबह साढ़े सात बजे से लेकर दोपहर के डेढ़ बजे तक खुले रहेंगे। बीते सत्र तक पहले माध्यमिक विद्यालय सुबह के साढ़े सात से दोपहर के साढ़े 12 तक खुलते थे। बाद में इसमें समय का बदलाव करने इन्हें डेढ़ तक कर दिया गया। 19 मार्च से शुरू हुआ कॉपियों का मूल्यांकन करीब–करीब पूरा हो गया है। कुछ जिलों में कुछ विषयों की कॉपियां अपवाद स्वरूप जांची जा रही हैं। दो अप्रैल तक आधिकारिक रूप से कॉपियों को जांचने का काम पूरा हो जाएगा। बेसिक और माध्यमिक दोनों तरह के स्कूलों में एक अप्रैल को परीक्षाफल वितरित किया जाएगा। कुछ बेसिक स्कूलों में परीक्षाफल 29 मार्च को ही बांट दिया गया था।

फटा कुर्ता पहनकर गाजियाबाद के भाजपा विधायक ने किए रामलला के दर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। गाजियाबाद के लोनी से भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने फटा कुर्ता पहनकर सोमवार को रामलाल के दर्शन किए। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि मेरा क्या दोष है, अनुमति के बाद यदि रामकथा उत्तर प्रदेश में नहीं होगी तो फिर कहां होगी। क्या उत्तर प्रदेश पाकिस्तान हो गया है। उन्होंने कहा कि रामकथा के दौरान प्रशासन और पुलिस के अफसरों के इशारे पर लाठीचार्ज किया गया, कलश तोड़े गए, बहन बेटियों का अपमान हुआ। इस दौरान रामचरितमानस को मैंने किस तरह से बचाया, यह सबने देखा। उन्होंने बताया कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी से मिलकर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी है। यदि रामचरितमानस का पाठ करना अनुशासनहीनता है तो पार्टी का जो दिशा निर्देश होगा वह मानूंगा। मेरे लिए संगठन सर्वोपरि है। उन्होंने कहाकि 2010 से रामकथा का आयोजन करते आ रहे हैं। हर साल अफसर फूल बरसाते थे। इस बार लाठी बरसाई गई। मुसलमानों को अफसरों की ओर से भड़काया गया कि पथराव करो। उन्होंने कहा यह सनातन का अपमान हुआ है। कुर्ता मेरा नहीं सनातन का फटा है। जब तक न्याय नहीं मिलेगा वह इसी तरह फटे कुर्ते में रहेंगे। विधायक का कहना है कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिल जाता वह फटा कुर्ते में ही रहेंगे।

सो रही महिला की गला घोंटकर हत्या चारपाई पर बंधा मिला शव

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के बाराबंकी से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। यहां 75 वर्षीय कंचाना देवी की उनके ही घर में गला घोंटकर हत्या कर दी गई। सुबह देर तक दरवाजा अंदर से बंद था। इस पर पड़ोसियों को शक हुआ। पड़ोसी और गांव के लोग एकत्र होकर घर के अंदर दाखिल हुए। वहां का दृश्य देख उनके होश उड़ गए। कंचाना का शव चारपाई पर बंधा मिला। घटना मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के चंदूरा गांव की है। गांव के लोगों ने बताया कि कंचाना को तीन बेटे अशोक, नान्ह और सुरेश हैं। वह लखनऊ में रहकर मजदूरी करते हैं।

शिक्षक-कर्मचारी मनाएंगे काला दिवस, जोर पकड़ेगी पुरानी पेंशन बहाली की मांग

लखनऊ, (संवाददाता)। अटेवा ने मंगलवार एक अप्रैल को पुरानी पेंशन बहाली के लिए काला दिवस मनाने की घोषणा की है। प्रदेश के शिक्षक, कर्मचारी भी इस अभियान में शामिल होंगे। वो अपने कार्य स्थल से अभियान में शामिल होकर पुरानी पेंशन बहाली की मांग करेंगे। उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा की संघ ने इसका समर्थन करने का निर्णय लिया है। प्रदेश के पेंशन विहीन सभी शिक्षक आंदोलन में प्रतिभाग करेंगे।

उन्होंने कहा की ओपीएस देने के बजाय यूपीएस जबरन कर्मचारियों व शिक्षकों पर थोपा जा रहा है। जब देश में एक विधान, एक चुनाव, एक सरकार है तो पेंशन प्लान तीन तीन क्यों हैं? अपने खून पसीना से देश व राज्य को सींचने वाले कर्मचारियों से बुढ़ापे की लाठी पुरानी पेंशन क्यों छीना जा रहा है। केंद्र व राज्य सरकारें जल्द से जल्द पुनः विचार करतें हुए पुरानी पेंशन बहाल करें। वहीं लुआकटा अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय ने कहा कि शिक्षक इस आंदोलन में कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। हम सरकार से अपनी बुढ़ापे की लाठी पुरानी पेंशन लेकर रहेंगे। इसके लिए होने वाले आंदोलन, प्रदर्शन में हम शामिल होंगे।

सरयू किनारे बने मंदिर में अराजकतत्वों ने तोड़ी मां दुर्गा की प्रतिमा, लोगों में आक्रोश

लखनऊ, (संवाददाता)। रामनगरी अयोध्या में सोमवार की रात सरयू नदी किनारे कच्चा घाट पर बने मंदिर में अराजकतत्वों ने मां दुर्गा की प्रतिमा खंडित कर दी। सुबह लोगों ने देखा तो उनमें आक्रोश फैल गया। घटना की जानकारी मिली तो मौके पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। बताया गया कि मंदिर के पुरोहित दिलीप महाराज के पिता शिव शंकर पांडेय ने इस मंदिर की स्थापना की थी। मामले की शिकायत नयाघाट पुलिस से की गई है। सूचना पर सीओ आशुतोष तिवारी ने पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जानकारी ली। लोगों ने चौत्र नवरात्रि के बीच माहौल बिगाड़ने की साजिश के तहत देवी प्रतिमा खंडित करने की आशंका जताई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

थार जीप के स्वामियों की जांच शुरू

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ–अयोध्या नेशनल हाईवे पर रविवार शाम हुई एक हत्या के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। शहर कोतवाली क्षेत्र में केवाड़ी गांव के पास लाल रंग की थार जीप और पिकअप के बीच हल्की टक्कर के बाद हुए विवाद में लखनऊ के फतेहगंज नाका निवासी इंजीनियर सुमित ओझा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। सुमित ने दोनों पक्षों के बीच विवाद को सुलझाने की कोशिश की, लेकिन बदमाशों ने उन्हें गोली मार दी। पुलिस ने घटना के बाद तीन टीमों को घटनास्थल पर भेजा है और क्राइम ब्रांच को भी लगाया गया है। बाराबंकी पुलिस अब लखनऊ और बाराबंकी जिले में थार जीप के स्वामियों की पहचान करने में जुटी है, जिनका संबंध इस हत्या से हो सकता है। जीप का रंग लाल था, जो महत्वपूर्ण सुराग हो सकता है। सोमवार को सुमित ओझा के शव का पोस्टमार्टम किया गया। इस बीच, मृतक के परिजनों और रिश्तेदारों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस तरह की हत्या कानून व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती है और हत्यारों को जल्द पकड़ा जाए ताकि इस प्रकार की घटनाओं पर रोक लग सके। एसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और पुलिस को किसी भी वक्त अहम सुराग मिलने की उम्मीद है।

बीटेक एआई, एमटेक सीएस और एमसीए पाठ्यक्रम होगा शुरू

गोरखपुर, (संवाददाता)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में जल्द ही तीन नए पाठ्यक्रम शुरू होंगे। इसमें बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एमटेक कंप्यूटर साइंस और एमसीए शामिल है। तीनों पाठ्यक्रमों को बोर्ड ऑफ स्टडीज से मंजूरी मिल गई है। जल्द ही इन्हें विद्या परिषद में स्वीकृति के लिए रखा जाएगा। विश्वविद्यालय में बीटेक के विद्यार्थियों को एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का भी विकल्प मिलेगा। इंजीनियरिंग संकाय के तहत इसका संचालन होगा। इसमें शुरूआत में 60 सीटें होंगी। वहीं, विश्वविद्यालय में अभी एमटेक और एमसीए पाठ्यक्रम नहीं है। इन दोनों पाठ्यक्रमों में 20–20 सीटें होंगी। दोनों पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग संकाय के तहत संचालित होंगे। विश्वविद्यालय में नए सत्र में कुल छह कोर्स शुरू किए जाने को वित्त समिति ने मंजूरी दे दी है।

वाणिज्य संकाय में कैपिटल मार्केट पर पीजी डिप्लोमा, जीएसटी पर सर्टिफिकेट कोर्स और होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी में पीजी कोर्स शुरू किए जाएंगे। इसी तरह इंजीनियरिंग संकाय में बीटेक (ऑर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एंड मशीन लर्निंग), एमसीए और एमटेक में प्रवेश लिया जाएगा। विश्वविद्यालय में अप्रैल के पहले सप्ताह में विद्या परिषद की बैठक होगी। इसमें इन पाठ्यक्रमों का प्रस्ताव रखा जाएगा। स्वीकृति मिलने के बाद इन्हें कार्य परिषद के समक्ष भी रखा जाएगा। दोनों से स्वीकृति मिली तो नए सत्र (जुलाई) से इनमें प्रवेश शुरू हो जाएगा। विश्वविद्यालय में बीटेक एआई, एमटेक कंप्यूटर साइंस और एमसीए पाठ्यक्रम शुरू करने की तैयारी है।

भाजपा जिलाध्यक्ष पद के लिए 42 व प्रांतीय परिषद के लिए हुए सात नामांकन

लखनऊ, (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष पद के लिए 42 नामांकन हुए। प्रांतीय परिषद सदस्य के लिए सात लोगों ने नामांकन किया। भाजपा कार्यालय सहादतगंज में सोमवार को जिला चुनाव अधिकारी वाईपी सिंह की मौजूदगी में नामांकन पत्र दाखिल किए गए। जिलाध्यक्ष पद के लिए नामांकन करने वालों में प्रमुख रूप से वर्तमान जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पांडेय बादल, राघवेंद्र पांडेय, कृष्ण कुमार पांडेय खुन्नू, अशोक कसौधन, राममोहन भारती, राधेश्याम त्यागी, सर्वजीत सिंह, मवई ब्लॉक प्रमुख राजीव कुमार तिवारी, इंद्रभान सिंह, मनींद्र पांडेय, रघुनंदन चौरसिया, अखंड प्रताप सिंह, राम सजीवन मिश्र, मनोज वर्मा, रणवीर सिंह, अंकित दुबे, अभय सिंह, शिवानंद सिंह शिवम, बबलू पासी, मगन लाल वर्मा, पवन कुमार उपाध्याय, चंद्रकेश रावत, शिव गोविंद पांडेय, किशोरी लाल भारती, सरयू प्रसाद दुबे, भूपेंद्र प्रताप सिंह समेत अन्य शामिल हैं। प्रांतीय परिषद के दीपक दुबे, रॉकी द्विवेदी, देवेंद्र मणि त्रिपाठी, चंद्रबली सिंह, सत्यनाम सिंह, पंकज सिंह व सुनील सिंह राजपूत ने नामांकन किया। जिला चुनाव अधिकारी वाईपी सिंह ने बताया कि जिलाध्यक्ष पद के लिए 42 और प्रांतीय परिषद के लिए सात नामांकन हुए हैं। नामांकन पत्रों की जांच के बाद इन्हें प्रदेश कार्यालय में जमा कराया जाएगा, जहां विचार विर्मश के बाद प्रदेश चुनाव अधिकारी महेंद्र नाथ पांडेय जिलाध्यक्ष और प्रांतीय परिषद सदस्यों की घोषणा करेंगे।

आज से पूरे प्रदेश में शुरू होगा स्कूल चलो अभियान

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में मंगलवार एक अप्रैल से नए शैक्षिक सत्र 2025–26 की शुरुआत होगी। इसके साथ ही प्रदेश भर में स्कूल चलो अभियान की भी शुरुआत होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बरेली में इसकी व संचारी रोग नियंत्रण अभियान की शुरुआत करेंगे। बेसिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार के अनुसार सीएम सुबह 11.40 बजे बरेली कॉलेज मैदान, बरेली से अभियान की शुरुआत करेंगे। इसके तुरंत बाद प्रदेश के सभी जिलों में प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायक, विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में इस अभियान की शुरुआत की जाए। उन्होंने सभी बीएसए को निर्देश दिया है कि जिलों में भी सीएम के कार्यक्रम का लाइव किया जाए। साथ ही डायट, ब्लॉक संसाधन केंद्र व विद्यालयों में भी इसका लाइव प्रसारण करने के निर्देश दिए हैं। वहीं पूर्व में जारी निर्देश के अनुसार एक अप्रैल को पहले दिन सभी स्कूलों को फूल, पत्ती आदि से सजाया जाएगा। बच्चों का स्कूल आने पर रोली, टीका लगाकर स्वागत किया जाएगा। मिड डे मील में हलुवा, खीर आदि बनाकर बच्चों को दिया जाएगा। नए सत्र के पहले दिन की शुरुआत की तैयारी सोमवार को स्कूलों में चलती दिखी। जबकि विभाग ने अलग अलग अधिकारियों की भी इसके लिए ड्यूटी लगाई है। ताकि स्कूल चलो अभियान को सफल बनाया जा सके। इसके साथ ही स्कूलों में बच्चों का नामांकन भी बढ़ाने के लिए आगे के दिनों में अभियान चलाया जाएगा।

सरकार ने अभिषेक प्रकाश के निलंबन पर केंद्र को भेजी रिपोर्ट, 36 पन्नों में दिया गया विस्तार से ब्योरा

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश सरकार ने निलंबित आईएएस अभिषेक प्रकाश के मामले में केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) को अपनी रिपोर्ट भेज दी है। 36 पन्नों की इस रिपोर्ट में अभिषेक प्रकाश को निलंबित किए जाने का कारणों का विस्तार से ब्योरा दिया गया है। यहां बता दें कि किसी भी आईएएस अफसर के निलंबन का डीओपीटी भी समय–समय पर समीक्षा करता है।

सोलर कंपनी से सब्सिडी के एवज में घूस मांगने के आरोप में इन्वेस्ट यूपी के सीईओ अभिषेक प्रकाश को 20 मार्च को निलंबित कर दिया गया था। उससे पहले 2021 में लखनऊ के भटगांव में जमीन अधिग्रहण घोटाले के मामले में भी वे जिम्मेदार ठहराए गए हैं। डिफेंस कॉरिडोर के लिए भटगांव की जमीन अधिग्रहीत की गई थी। इसमें सारे नियम–कायदों को ताक में रखकर फर्जी ढंग से नौकरशाहों और राजनेताओं के नजदीकियों को फायदा पहुंचाया गया। जिनकी जमीन नहीं थी, फर्जी पट्टे के आधार पर उन्हें पहले मालिकाना हक दिया गया,

फिर उस जमीन को नजदीकियों के नाम कराया गया।

हालांकि, भटगांव के जमीन अधिग्रहण के प्रकरणों में उन लोगों की जांच होना भी जरूरी है, जिन्होंने फर्जी पट्टेदारों से अपने नाम जमीन करवाकर करोड़ों रुपये का मुआवजा हड़पा। इनमें से कुछ बिचौलिये खरीदारों के संबंध सत्ताधारी दल के एक एमएलसी से भी बताए जा रहे हैं। जानकारों का कहना है कि इन बिचौलिये खरीदारों की भी जांच हो जाए तो घपलों से संबंधित और भी महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं। नियुक्ति विभाग के उच्चपदस्थ सूत्रों के मुताबिक, भटगांव के मामले में भी अभिषेक प्रकाश को आरोपपत्र दिए जा चुके हैं। साथ ही उन पर हुई निलंबन की विस्तृत सूचना भी डीओपीटी को भेजी गई है। मामले में एक माह के भीतर जो भी स्थिति होगी, उसे भी डीओपीटी को भेजा जाएगा। उसके बाद भी निलंबन जारी रहने पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित एक उच्चस्तरीय कमेटी अपनी रिपोर्ट केंद्रीय विभाग को भेजेगी। यह रिपोर्ट निलंबन के चार माह बाद भी बढ़ाए जाने की स्थिति में भेजनी होगी।

युवक की गला रेत कर हत्या, कमरे में खून से लथपथ मिला शव जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ, (संवाददाता)। इनायत नगर थाना क्षेत्र के डीली गिरधर गांव में 18 वर्षीय युवक अंकेश सिंह उर्फ अब्बू की गला रेत कर हत्या कर दी गई। उसका शव घर के कमरे में खून से लथपथ पड़ा मिला। घटना की जानकारी होते ही क्षेत्र में खलबली मच गई। घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंची इनायत नगर पुलिस ने युवक को शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस घटना की छानबीन में जुट गई है। मृतक युवक की मां करीब 25 दिन व भाभी करीब एक माह पहले से मायके गई थीं। पिता गोविंद सिंह की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। उसका बड़ा भाई अंकित सिंह मुंबई में रह कर प्राइवेट नौकरी करता है। तब से अंकेश घर पर अकेले ही रह रहा था और ग्राम प्रधान के यहां भोजन करता था। रविवार की रात भी वह प्रधान गिरीश सिंह के घर से भोजन कर अपने घर सोने गया था। सोमवार सुबह करीब सात बजे तक जब वह घर से बाहर नहीं निकला, तब उसके चचेरे भाई सुधाकर व अनूप ने उसके मोबाइल पर फोन किया। मोबाइल कॉल रिसीव न होने पर दोनों लोग उसके घर गए। सामने का गेट अंदर से बंद था। दोनों ने घर के पीछे जाकर देखा। घर के पीछे का दरवाजा खुला देख अंदर घुसे। अंकेश को मृत अवस्था में कमरे के फर्श पर पड़ा देख दोनो अवाक रह गए। चचेरे भाइयों ने घटना की जानकारी परिवारीजन व आसपास के लोगों को दी। मौके पर पहुंचे प्रधान ने घटना की सूचना इनायत नगर पुलिस को दी। प्रभारी निरीक्षक इनायत नगर देवेंद्र पांडेय, उप निरीक्षक आलोक सिंह, रविंद्र प्रताप सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम बुलाकर घटना की जांच पड़ताल की। मृतक के चाचा हरेंद्र सिंह की मौजूदगी में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र पांडेय ने बताया कि युवक की मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए छानबीन की जा रही है।

यूपी सरकार ने 65 पीसीएस अफसरों को दिया नवरात्र का तोहफा

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने 65 पीसीएस अधिकारियों को नवरात्र का विशेष तोहफा दिया है। उन्हें एनपीएस (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली) के स्थान पर पुरानी पेंशन स्कीम के दायरे में लाने का आदेश जारी कर दिया गया है। इनकी नियुक्ति 28 मार्च 2005 से पहले विज्ञापित पदों पर हुई थी। वित्त विभाग के 28 जून 2024 के शासनादेश के अनुसार, ऐसे सभी कार्मिक जिनकी नियुक्ति के लिए विज्ञापन, एनपीएस की अधिसूचना जारी होने की तिथि यानी 28 मार्च 2005 से पहले जारी किया गया था, लेकिन उन्होंने कार्यभार 1 अप्रैल 2005 या उसके बाद ग्रहण किया था, उनके लिए पुरानी पेंशन योजना का लाभ मिलेगा।

पीआईसीयू सेंटर से शाम होते ही गायब हो जाते हैं चिकित्सक, शासन का आदेश बेअसर

गोरखपुर ब्यूरो चीफ

गोरखपुर। गंभीर बीमार मासूमों सहित परिजनों को अब रेफर का दर्द न झेलना पड़े और समुचित इलाज हो सके इसके लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों बाल चिकित्सा गहन देखभाल इकाई का निर्माण सरकार द्वारा पानी की तरह पैसा बहाकर किया गया है।लेकिन पीकू सेंटरों पर तैनात स्वास्थ्य कर्मियों की लापरवाही के चलते सरकार की यह योजना अब सिर्फ हाथी के दाँत साबित हो रहे हैं।

गोरखपुर के दक्षिणांचल में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अरांव जगदीश के पीआईसीयू पर कई चिकित्सक तैनात हैं लेकिन ये सभी चिकित्सक रात्रि निवास नहीं करते और शाम होते ही सेंटर छोड़ भाग जाते हैं। जिसके कारण यहां आए मरीजों का इलाज नहीं हो पाता जिससे सरकार की मंशा पर पानी फिर रहा है।और मरीजो को जिला अस्पताल जाना पड़ रहा है। बता दें पीआईसीयू इकाई में वेंटीलेटर सहित अन्य अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण स्थापित किया गया है। एचडीयू (हाई डिपेंडेंसी यूनिट) भी तैयार कर है। संचालनाल स्वास्थ्य सेवा द्वारा दो वेंटीलेटर प्रबंधन को उपलब्ध भी करा दिए गए हैं। दोनों वेंटीलेटर पीआईसीयू में स्थापित है। 1 माह से 15 वर्ष तक के गंभीर बीमार बच्चों को अभी इमरजेंसी ट्रायेज असेस्मेंट एवं टीट्रमेंट इकाई में प्राथमिक उपचार प्रदान किया जाता है। स्वास्थ्य में सुधार होने पर शिशु रोग वार्ड में शिफ्ट कर दिया जाता है। सुधार नहीं होने पर जिला अस्पताल गोरखपुर व मेडिकल कॉलेज गोरखपुर भेजने का प्रावधान है। इसके साथ ही शासन का आदेश है कि पीआईसीयू के चिकित्सक 24 घण्टे ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। लेकिन यह आदेश सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अरांव जगदीश के पीआईसीयू के चिकित्सकों पर बेअसर है। इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अरांव जगदीश के अधीक्षक डॉ गौरव कुमार सिंह से उनका पक्ष जानने का काफी प्रयास किया गया लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ।

शराब के पैसे न मिलने पर पति ने पत्नी की खेत मे पीट पीट कर किया हत्या

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। रामपुर थाना क्षेत्र के कोटिगांव में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है।पत्नी से शराब का पैसा मांगने पर नहीं देने पर पति ने पत्नी को अर्धनग्न कर पीट–पीटकर मौत के घाट उतार दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस महिला को लेकर अस्पताल गई जहां डॉक्टर ने महिला की मौत हों गई।

कोटिगांव निवासी बच्चन गौतम शराब का आदी है और घर पर आए दिन पत्नी से मारपीट भी करता है। बुधवार की दोपहर उसकी पत्नी घर से 500 मीटर दूर जीतापुर गांव में गेहूं के कटाई करने के लिए गई थी। करीब 10:30 बजे उसका पति बच्चन खेत पर पहुंचा और अपनी पत्नी मंजू देवी से दारु पीने के लिए पैसा मांगने लगा। मंजू ने पैसा नहीं होने और घर पर चलकर देने की बात कही। इसके बाद पति ने उसकी पिटाई करना शुरू कर दिया अर्धनग्न होने के बाद पत्नी की ईट से पिटाई करने लगा। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला मंजू देवी को सीएचसी ले गई। जहां पर डॉक्टर ने उसकी मौत होना बताया। पुलिस ने शराबी पति को गिरफ्तार कर लिया है शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम में भेज दिया है ।इस मामले में जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी परमानंद कुशवाहा ने बताया कि रामपुर थाना क्षेत्र के कोटवा गांव से यह सूचना प्राप्त हुई कि पति–पत्नी द्वारा आपस में मारपीट किया गया है पत्नी की हालत गंभीर है सूचना पर तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची और घायल अवस्था में महिला को कस रामपुर ले जाया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है मृतिका केशव को पोस्ट कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।मृतक महिला के पास एक बेटी अलका 7 वर्ष बेटा निखिल 5 साल है।जिनका रो रो कर बुरा हाल है।

राजपूत सेवा समिति के सदस्य रामजीलाल सुमन पर कारवाई के लिए डीएम को देगे ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर राज्यसभा में सपा सांसद रामजीलाल सुमन के गैर जिम्मेदाराना बयान देते हुए राणा सांगा के खिलाफ दिए गए बयान से आक्रोशित राजपूत सेवा समिति के सदस्यों ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर में बैठक कर यह कहा कि सांसद का यह बयान राजपूत समाज के साथ पूरे राष्ट्र का अपमान है। समस्त वीर लड़ाकों, योद्धाओं का अपमान है, जो मुगलों से लड़े हैं। समिति के सदस्यों ने यह निर्णय लिया कि राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन के खिलाफ राजपूत समाज के लोग कल एकजुट होकर कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचे। समिति के सदस्य ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि रामजीलाल के खिलाफ कड़ी कारवाई के लिए समिति के सदस्यों के द्वारा राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा जायेगा। उन्होंने राजपूत सेवा समिति के सभी सदस्यों के साथ साथ राजपूत समाज के लोगों से आह्वान किया कि कल दिन में साढ़े दस बजे तक हर हाल में कलेक्ट्रेट परिसर में बने पत्रकार भवन पर एकत्रित हो जाए। वहां बैठक करने के बाद सभी लोग जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपेगे। समिति के सदस्य बशिष्ठ नारायण सिंह, वीरेंद्र प्रताप सिंह रत्नाकर सिंह, डाक्टर नबाब, सर्वेश सिंह व शरद सिंह ने कहा कि राज्यसभा में सपा सांसद रामजीलाल सुमन ने औरंगजेब के पक्ष में संसद में बयान देकर महावीर, शूरवीर योद्धा राणा सांगा का अपमान कर रहे थे। उन्होंने सदन को कलंकित किया है। उन्हें तुरंत माफी मांगने के साथ इस्तीफा देना चाहिए। बैठक में शशि मोहन सिंह क्षेम, प्रदीप सिंह सफायर, अजीत सिंह, शशि प्रकाश सिंह, अमर बहादुर सिंह, मुन्ना सिंह, विनोद कुमार सिंह, रजनीश कुमार सिंह, राजेंद्र प्रसाद सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह, सिद्धार्थ सिंह, धर्मेंद्र सिंह, रवींद्र नारायण सिंह, डा. राजेश सिंह, रुद्र प्रताप सिंह, उमेश सिंह, संजय सिंह विशेन, रुद्र प्रताप सिंह, डा. सौरभ सिंह, बृजेश कुमार सिंह, आनंद सिंह, देवी सिंह, राघवेंद्र कुमार सिंह, भूपेश कुमार सिंह सहित भारी संख्या में समिति के पदाधिकारी मौजूद थे।

दंगा नियंत्रण की रिहर्सल में दौड़ी पुलिस, डर गए पिहानी कस्बे के लोग

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) अपर पुलिस अधीक्षक मार्तंड प्रकाश सिंह,उप जिलाधिकारी दीक्षा जोशी व सीओ हरियावा संतोष सिंह के नेतृत्व में दंगा रिहर्सल हुआ। पिहानी कोतवाली के मैदान में बुधवार को को दंगा नियंत्रण रिहर्सल का आयोजन किया गया। पुलिसकर्मियों को बलवाइयों, अराजकतत्वों व पत्थरबाजों से निपटने के लिए दंगा नियंत्रण उपकरण अश्रु गैस, स्टन ग्रेनेड, रबड़ बुलेट, मिर्ची बम, एंटी रायट गन आदि चलवाकर बलवा ड्रिल का अभ्यास करवाया गया। अधिकारियों ने पत्थरबाजों द्वारा पुलिस बल पर पथराव आदि की घटना होने पर पत्थरबाजों से निपटने के लिए कैनशील्ड, हेलमेट के माध्यम से अपना बचाव करते हुए दंगाइयों पर नियंत्रण करने व पथराव के दौरान बरती जाने वालीं सावधानियों के बारे में अवगत कराया। बलवाइयों पर पुलिस की तरफ से की जाने वाली कार्रवाई को अलग–अलग टीम बनाकर प्रदर्शित किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक मार्तंड प्रकाश सिंह ने बताया कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी ड्यूटी के दौरान दंगा निरोधी उपकरणों से लैस होकर रहेंगे। इस दौरान कस्बे के एक दर्जन चौराहों पर लाठी–डंडों और हथियारों से लैस पुलिस दौड़ती नजर आई। अचानक भारी संख्या में पुलिस दिखी तो सकते में लोग नजर आए। इस दौरान अफसरों ने पुलिस टीमों को आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए जमकर अभ्यास कराया।

कस्बे के जामा मस्जिद, पुरानी पुलिस चौकी, करवा तिराहा, गोपामऊ चुंगी ,बस स्टैंड ,बंदर पार्क, चौहट्टा मस्जिद , नागर, खुरमुली ,शिया जामा मस्जिद ,बड़ा चौराहा, मीर सराय, मुरीद खानी, छिपटोला आदि जगहों पर दंगे की सूचना देकर पुलिस को दौड़ाया। तय जगह पर तय समय पर पहुंचने के लिए पुलिस कर्मचारियों को कड़ा पसीना बहाना पड़ा।दौड़ते पुलिसकर्मी बुलेटप्रूफ जैकेट, हेलमेट, एलबो गार्ड, बॉडी प्रॉटेक्टर आदि के अलावा लाठी–डंडों और आधुनिक हथियारों से लैस थे। शहर में अचानक भारी संख्या में पुलिस को दौड़ते देख बाजारों में खड़े लोग सकते में आ गए। बाद में रिहर्सल का पता चलने पर लोगों ने राहत की सांस ली। टड़ियावां ,हरियावा, पिहानी, मझिला, शाहाबाद, बेनीगंज सहित कई थाने के एसएचओ व पुलिसकर्मी रिहर्सल में शामिल हुए।

दंगा नियंत्रण स्कीम की रिहर्सल के बारे में मार्तंड प्रकाश सिंह एडिशनल एसपी ने जानकारी दी। बताया कि रिहर्सल के दौरान शहर के भीतर संवेदनशील और अति संवेदनशील आठ प्वाइंट्स बनाए गए थे। इसमें सीओ, पांच प्रभारी निरीक्षक, 13 उपनिरीक्षक, 19 हेड कांस्टेबिल और 60 सिपाही लगाए गए थे। बताया कि बड़ी घटनाओं में कस्बे की फोर्स को 15 मिनट में और देहात की फोर्स को 30 से 45 मिनट पर तय बिंदुओं पर पहुंचने के लिए कहा गया था। बड़े बवालों से निपटने के लिए पुलिस को इस तरह की स्कीम के लिए तैयार किया जा रहा है। इससे पुलिस को हालात पर काबू करने में बहुत मदद मिलेगी।

ई–रिक्शा के कारण शाहाबाद के मुख्य मार्गों पर लगता है जाम

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) शाहाबाद क्षेत्र में ई–रिक्शा की बढ़ती संख्या और बिना नियम–कायदे के संचालन से जाम की समस्या बढ़ रही है। बिना पंजीकरण के चलने वाले ई–रिक्शा, नाबालिग चालकों द्वारा संचालन, और सड़क पर कहीं भी खड़े हो जाने से यातायात बाधित हो रहा है। नगर के मुख्य मार्गों को जाम से छुटकारा नहीं मिल पा रहा। बाजार में ई रिक्शा अधिक होने से वाहनों की कतार लग जाती है। लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। जाम की समस्या लगातार बनी हुई है, लेकिन जिम्मेदारों की ओर से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। वहीं मुख्य मार्ग चौक से लेकर बड़ी बाजार तिराहे तक जाम के झाम से छुटकारा नहीं मिल पा रहा है। नगर में रोजाना जाम की समस्या बनी रहती है।नगर के मुख्य मार्गा पर ई–रिक्शा ज्यादा चलने के कारण मुख्य बाजार में जाम रहता है । शाहाबाद में ई–रिक्शा की संख्या बढ़ने से सड़कों पर जाम लगने लगा है। कई ई–रिक्शा बिना पंजीकरण के सड़कों पर चलते हैं, जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान होता है और हादसों का खतरा बढ़ जाता है। कुछ ई–रिक्शा नाबालिगों द्वारा चलाए जाते हैं, जिससे सड़क पर दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। ई–रिक्शा चालक अक्सर सड़क पर कहीं भी खड़े हो जाते हैं, जिससे यातायात बाधित होता है। ट्रैफिक पुलिस को ई–रिक्शा चालकों को तय रूट पर चलाने के लिए सख्त कदम उठाने चाहिए। लोगों का सुझाव है कि नगर में ई–रिक्शा और ऑटो के लिए पार्किंग जोन बनाने की आवश्यकता है। ई–रिक्शा चालकों को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। नियमों का उल्लंघन करने पर ई–रिक्शा चालकों पर जुर्माना लगाया जाना चाहिए। ई–रिक्शा की नियमित रूप से फिटनेस जांच होनी चाहिए। स्थानीय प्रशासन को ई–रिक्शा के संचालन को नियंत्रित करने के लिए उचित कदम उठाने चाहिए।

सभी शिक्षकों से अपेक्षा है स्कूल चलो अभियान को बेहतर ढंग से सम्पादित करें – डा. गोरख नाथ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विकासखंड करंजाकला के प्राथमिक विद्यालय शिकारपुर में नवीन नामांकन, शारदा संगोष्ठी ,वार्षिकोत्सव एवं पुस्तक वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल के द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने शारदा संगोष्ठी में शिक्षा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उपस्थित सभी शिक्षकों से अपेक्षा किया कि स्कूल चलो अभियान को बेहतर ढंग से सम्पादित करें। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल ने निपुण विद्यालय आकलन में प्रदेश में जौनपुर के प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए सभी एसआरजी, एआरपी, शिक्षक संकुल व अन्य समस्त शिक्षकों को बेसिक शिक्षा विभाग की तरफ से बधाई दी। 10 नए छात्र–छात्राओं का नवीन नामांकन कक्षा 01 में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा किया गया और उन नवीन बच्चों को विद्यालय की प्रधानाध्यापिका फूलकली यादव ने टीका लगाकर एवं माला पहना कर स्वागत किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों का वितरण भी किया गया, जिससे उन्हें आगामी शैक्षणिक वर्ष के लिए तैयारी में मदद मिलेगी। उन्होने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा का महत्व जीवन में अत्यधिक है और हमें हमेशा अपने उद्देश्य की ओर मेहनत से अग्रसर रहना चाहिए। उन्होने विद्यालय के निपुण होने पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका फूलकली यादव एवं समस्त स्टाफ की प्रशंसा की। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। विद्यालय के वार्षिकोत्सव में छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी, जिसमें नृत्य, संगीत और नाटक शामिल थे। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापिका ने एआरपी करंजाकला जगदीश यादव, संदीप कुमार चौधरी, बीएसए कार्यालय के वरिष्ठ सहायक विंध्यवासिनी उपाध्याय को स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ग्राम प्रधान चंद्रशेखर ,जयप्रकाश, ऊषा देवी, इंद्रा सरोज ,चंद्र रेखा, आंगनबाड़ी कार्यकत्री गायत्री पाल ,रेखा पाल, शिक्षक अनिल कुमार यादव, शैलेन्द्र पाल, श्रीपाल यादव, इंदु प्रकाश यादव, जिला महामंत्री अटेवा, श्रीमती नुजहत अंसारी श्री प्रकाश मौर्य, बृजेश पांडेय और स्थानीय नागरिकों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी ने इस कार्यक्रम को एक नई दिशा और प्रेरणा देने वाला बताया।

स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम एवं निपुण विद्यालय सम्मान समारोह हुआ सम्पन्न

अयोध्या। कम्पोजिट विद्यालय डाभासेमर, शिक्षा क्षेत्र मसौधा, अयोध्या में "स्कूल चलो अभियान एवं निपुण सम्मान समारोह" का आयोजन किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि गिरीश पति त्रिपाठी, महापौर, रामचन्द्र यादव विधायक रूदौली,आलोक कुमार सिंह (प्रतिनिधि) जिला पंचायत अध्यक्ष उपस्थित रहें।कार्यक्रम की अध्यक्षता कृष्ण कुमार सिंह मुख्य विकास अधिकारी द्वारा किया गया।स्कूल चलो अभियान एवं निपुण सम्मान समारोह कार्यक्रम का सफल आयोजन बीएसए सन्तोष कुमार राय के साथ साथ खण्ड शिक्षा अधिकारी व जिला समन्वयक किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री द्वारा लाइव प्रसारण के माध्यम से स्कूल चलो अभियान 2025–26 की शुरूआत बच्चों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण के साथ किया गया।बीएसए सन्तोष कुमार राय द्वारा 01 से 15 अप्रैल 2025 तक हाउस होल्ड सर्वे द्वारा शत–प्रतिशत छात्रों का नामांकन कराये जाने का आह्वाहन किया।वही 459 निपुण विद्यालय के अध्यापकों की प्रशंसा की गयी। जनपद के परिषदीय विद्यालयों के छात्र–छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गयी। कार्यक्रम में नवोदय विद्यालय, इंस्पायर अवार्ड, विद्या ज्ञान, अटल आवासीय एवं राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में चयनित बच्चों को अतिथियों द्वारा मेडल एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया तथा नव प्रवेशी छात्रों को स्टेशनरी देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।इस मौके पर एस0आर0जी0 डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी, मनीष रस्तोगी,अमित कुमार मिश्र को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के अन्त में विद्यालय को निपुण बनाने के लिये विद्यालय की पूरी टीम को अच्छे प्रयास के लिये प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कांग्रेस पार्टी का इतिहास और उद्देश्य हमेशा से देश और समाज की सेवा में रहा है – प्रमोद कुमार सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । कांग्रेस पार्टी के नव नियुक्त जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह ने आज नगर की होटल में पत्रकारों से बातचीत किया उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व और सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया और मुझे इस जिम्मेदारी के लिए चुना है यह मेरे लिए सम्मान की बात है और मैं इसे एक चुनौती को स्वीकार करता हूं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास और उद्देश्य हमेशा से देश और समाज की सेवा में रहा है हम हमेशा समाज की हर वर्ग के हितों की रक्षा करने के लिए काम करते हैं हमारी पार्टी की ताकत हमारे कार्यकर्ता और नेताओं का जनता में विश्वास है हम पार्टी की विचारधारा और सिद्धांतों को जान जनता पहुंचने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे जिले से लेकर ब्लॉक नया पंचायत ग्राम सभा एवं बूथ स्तर तक संगठन को मजबूती देना यह हमारी प्रमुखता है शिक्षा स्वास्थ्य बेरोजगारी या बुनियादी की कमी को उन्हें हल करना हमारी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की कार्यप्रणाली पूरी तरह से निरंकुश हो चुकी है सब मिलकर यह सरकार प्रदेश के युवाओं को सरकारी नौकरी देना ही नहीं चाहती है हिंदी क्षेत्र में नए निवेश न होने के कारण युवाओं के लिए नौकरियां नहीं मिल पा रही हैं इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन के अनुसार उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक युवा बेरोजगार हैं।सरकार के जन विरोधी नीतियों का पुरजोर विरोध करेंगे।बक्फ बिल पर उन्होंने कहा पार्टी आलाकमान का जो दिशा निर्देश होगा उसके बाद आगे की रणनीति तय करेंगे।अगर बिल जन विरोधी होगा तो हमारे कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर विरोध करेंगे। अभिव्यक्ति की आजादी हमारा मौलिक अधिकार है। यदि बिल जनविरोधी होगा तो हम इसकी आवाज सड़क से सदन तक उठाएंगे।

शराब की नई दुकान खोलने का विरोध, मोहल्लेवासियों ने सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

सुलतानपुर। शहर के गल्ला मंडी क्षेत्र में आबादी, मंदिरों और विद्यालय के नजदीक खुली शराब की नई दुकान को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है। मोहल्लेवासियों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंचकर सिटी मजिस्ट्रेट विदुषी सिंह को जिलाधिकारी के नाम संबोधित एक प्रार्थना पत्र सौंपकर तत्काल इस दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित कराने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोतवाली नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत गल्ला मंडी में एक नई शराब दुकान खोली जा रही है। यह दुकान रिहायशी इलाके के बीच स्थित है, जहां आसपास कई मकान हैं। महज 25 फीट की दूरी पर मंदिर, 50 फीट की दूरी पर एक इंटर कॉलेज और अन्य धार्मिक स्थल स्थित हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस दुकान के खुलने से क्षेत्र के बच्चों और युवाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, जिससे सामाजिक और शैक्षिक माहौल प्रभावित होगा। क्षेत्रवासियों ने बताया कि गल्ला मंडी क्षेत्र में कई परिवार रहते हैं, जिनके छोटे बच्चे और स्कूल जाने वाले विद्यार्थी इस रास्ते से गुजरते हैं। शराब की दुकान खुलने से माहौल दूषित होगा और असामाजिक तत्वों की आवाजाही बढ़ सकती है, जिससे महिलाओं और छात्र–छात्राओं को असुविधा होगी। इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए मोहल्लेवासियों ने सिटी मजिस्ट्रेट से मुलाकात की और जिलाधिकारी के नाम संबोधित एक प्रार्थना पत्र सौंपा। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि सार्वजनिक हित को ध्यान में रखते हुए इस दुकान को किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जाए, ताकि बच्चों और स्थानीय लोगों को किसी भी तरह की असुविधा न हो। स्थानीय नागरिकों में इस फैसले को लेकर गहरी नाराजगी देखी जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन इस मांग पर जल्द ध्यान नहीं देता, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

वक्फ अमेंडमेंट एक्ट पर अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी का वक्तव्य

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मुसलमान के विकास के लिए वक्फ अमेंडमेंट एक्ट बेहद जरूरी कदम है। इस एक्ट के माध्यम से मुस्लिम समाज की वक्फ की जो संपत्तियां उसको ऑर्गेनाइजर और रेगुलराइज करने में बहुत मदद मिलेगी। आम मुसलमान पूरी तरीके से इस अमेंडमेंट के साथ है, कुछ खास राजनीतिक दल और कुछ खास लोग अपने निजी स्वार्थ के लिए इसका विरोध कर रहे हैं। वक्फ की संपत्तियों पर जिन्होंने अवैध कब्जे बनाकर रखे हैं वहीं इसका विरोध कर रहे हैं,जबकि आम मुसलमान खासतौर पर पिछड़ा पसमांदा मुसलमान पूरी तरीके से वक्फ अमेंडमेंट एक्ट के साथ है। वक्फ अमेंडमेंट एक्ट आने के बाद वक्फ बोर्ड की प्रॉपर ऑडिटिंग होगी जिससे कि बोर्ड के आय में वृद्धि होगी इसका सीधा लाभ मुस्लिम समाज के वेलफेयर के लिए हो सकेगा। इसके अलावा प्रॉपर डॉक्यूमेंटेशन होगा, जिस वक्त की संपत्तियों पर जो अवैध कब्जे हैं वह कब्जे हटेंगे साथ ही साथ वक्फ बोर्ड में महिला समाज की और पसमांदा समाज के पार्टिसिपेशन से मुस्लिम समाज को और बल मिलेगा। इसके अलावा वक्फ की संपत्तियों का इस्तेमाल मुस्लिम समाज के तरक्की के लिए होना भी सुनिश्चित होगा। यह बिल बहुत पहले आ जाना चाहिए था लेकिन कांग्रेस और तमाम वह दल जो अपने आप को मुसलमान का हितैषी बताते हैं उन्होंने कभी भी हम मुसलमान के ठोस विकास के लिए काम नहीं किया। आज मुसलमान के ठोस विकास के लिए यदि मोदी सरकार काम कर रही है तो अगर यह विपक्ष खास तौर पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी अगर मुसलमान की हितैषी होती तो इस बिल का विरोध नहीं करती बल्कि इसका साथ देती।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बायोटेक की छात्रा ने हॉस्टल में की आत्महत्या, पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में बायोटिक विभाग द्वितीय वर्ष में पढ़ने वाली छात्रा ने मंगलवार रात महिला हॉस्टल मे दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जिले के जलालपुर थाना क्षेत्र के कोतवालपुर निवासी सुभाष मिश्रा की पुत्री शिवांगी मिश्रा (23) विश्वविद्यालय के बायोटेक विभाग के दितीय वर्ष की छात्रा थी और 25 सितंबर को इसकी शादी होने वाली थी । विश्वविद्यालय के महिला लक्ष्मीबाई महिला छात्रावास के कमरा नम्बर 35 में रहती थी। रात में करीब 11 बजे किसी से तेज आवाज में बात कर रही थी। आसपास के लड़कियां बरामदे में टहल रही थी। लोगों ने कुछ देर बाद आवाज शांत हो गई। अन्य छात्राओ ने टहलने के लिए उसे भी बुलाया,जवाब न मिलने पर दरवाजा पीटा तब भी बोली नहीं,न ही उसका मोबाइल उठा ,तो आसपास कमरो में रहने वाली लड़कियों ने वार्डेन को खबर किया वार्डन पहुंचे और वह सूचना अधिकारियों के दी। अधिकारी भी पहुंचे दरवाजा खुलवाया गया । उसकी लाश पंखे मे दुपट्टे से लटक रही थी । आनंद–फानन में मृतका के शव को उतरवा कर एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर परिजन व पुलिस पहुंच गए पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्चरी हाउस में रखवा दिया ।घटना को लेकर तरह–तरह की बातें हैं, चर्चा है कि वह मोबाइल की लास्ट काल उसके मंगेतर से बात हुई थी । चर्चा है कि वह अपनी शादी को लेकर ही अवसाद में थी।

इस मामले में बुधवार को जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने बताया कि घटना की सूचना देर रात मिली। वार्डन और सहपाठियों ने जब शिवांगी ने दरवाजा नहीं खोला, तो उसे तोड़कर अंदर गए। छात्रा को फांसी से उतारकर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।जांच में सामने आया कि घटना से पहले शिवांगी की अपने होने वाले पति आकाश से फोन पर बात हुई थी। उसकी शादी नवंबर में होनी थी। आकाश ने शिवांगी की सहपाठी को फोन कर बताया कि वह फोन नहीं उठा रही है।इस मामले में आकाश से भी पूछताछ की जाएगी। अंतिम बार उसकी बात अपने होने वाले पति से हुई है। पुलिस परिजनों की शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम वीडियोग्राफी के साथ डॉक्टरों के पैनल द्वारा कराया जाएगा।

वार्डन और सहपाठियों के अनुसार, शाम को छात्रा को हॉस्टल में देखा गया था।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।